University in News on 05 February 2022

HINDUSTAN PAGE 4

एलयू: चुनावों के बाद होंगी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं

संभावना

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय और इससे सम्बद्ध कॉलेजों में स्नातक व परास्नातक की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 10 मार्च को मतगणना हो जाने के बाद ही शुरू होने की संभावना है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से इस बारे में बात करने पर उन्होंने इस संभावना से इनकार नहीं किया। हालांकि अभी विश्वविद्यालय का परीक्षा विभाग कोविड के चलते स्थगित हुई परीक्षाओं को ही रीशिड्यूल करने में लगा हुआ है।

550 से ज्यादा कॉलेजों में प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं की संख्या एक लाख से भी ज्यादा है। इसलिए चुनावों से पहले इनकी परीक्षाएं कराना लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए संभव नहीं हो पा रहा है। उम्मीद है कि फरवरी के अंत तक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी हो जाएगा और परीक्षाएं 10 मार्च के बाद ही शुरू होंगी। वहीं स्नातक के तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की जो परीक्षाएं कोविड के चलते स्थगित हुई थीं, वे 23 फरवरी को लखनऊ में मतदान हो जाने के बाद कराई जाएंगी। हालांकि अभी स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा गया है लेकिन नया कार्यक्रम मतदान की तारीख को ध्यान रखते हुए ही बनाया जा रहा है।

लखनऊ में मतदान के बाद स्नातक की स्थगित परीक्षाएं

स्नातक के तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की जो परीक्षाएं कोविड के चलते स्थगित हुई थीं, वे 23 फरवरी को लखनऊ में मतदान हो जाने के बाद कराई जाएंगी। हालांकि अभी स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा गया है लेकिन नया कार्यक्रम मतदान की तारीख को ध्यान रखते हुए ही बनाया जा रहा है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : स्नातक परीक्षाओं की भी अब कवायद शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

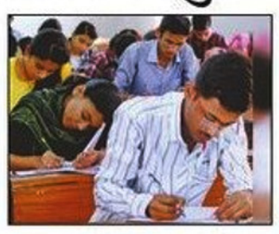

चुनाव के बाद परीक्षा कराने की हो रही तैयारी

लखनऊ। लविवि ने 17 फरवरी से अपनी परास्नातक कोर्सों की विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं कराने का लिया है। 06 फरवरी के बाद विवि-कॉलेज खुलने की संभावनाओं के बीच स्नातक परीक्षाओं पर भी मंथन शुरू हो गया है। सूत्रों के अनुसार 23 फरवरी को राजधानी में मतदान के बाद परीक्षाएं हो सकती हैं। हालांकि अंतिम निर्णय होना बाकी है।

विवि प्रशासन की स्नातक तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 जनवरी से प्रस्तावित थीं। वहीं कोरोना संक्रमण के बीच परीक्षाएं स्थगित हो गईं। पहले 31 जनवरी तक और बाद में पूरी परीक्षाएं स्थगित की गई थीं। अब दोबारा इनके आयोजन की कवायद शुरू हुई है। परास्नातक कोर्स की परीक्षाओं के आयोजन में चुनाव की तिथियों का ध्यान रखा गया है। स्नातक कोर्सों की परीक्षाओं पर सोमवार-मंगलवार तक इस पर फैसला होगा।

लखनऊ विवि के सात विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के 07 छात्रों का प्लेसमेंट आईटी कंपनी परसिस्टेंट सिस्टम्स और पीसीएस मैनेजमेंट प्रा. लि. में हुआ।

परसिस्टेंट सिस्टम्स में सत्यम सिंह, सुजाता यादव, कृष्ण चंद्र वर्मा और मोहम्मद आतिफ नईम का चयन हुआ। इनको सालाना 4.71 से 09 लाख का पैकेज ऑफर किया गया है। वहीं, पीसीएस मैनेजमेंट प्रा. लि. में तीन छात्रों शनि गुप्ता, खुशनुमा सिद्दीकी और अनामिका चतुर्वेदी का चयन हुआ। इन्हें 3.6 लाख सालाना का पैकेज ऑफर हुआ है। प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय द्वारा किया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE IV

चुनाव बाद यूजी के रद हुए सेमेस्टर एग्जाम

एलयू प्रशासन एग्जाम शुरू कराने से पहले कोविड की स्थिति का जायजा लेगा

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (4 Feb): कोरेना के केस कम होते ही लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पीजी के ऑड सेमेस्टर दिसंबर-2021 की एग्जाम की डेट दोबारा से घोषित कर दी है. एग्जाम 17 फरवरी से शुरू होंगे. वहीं यूजी के थर्ड व फिफ्थ सेमेस्टर के स्थगित हुए एग्जाम कब से शुरू कराना है इसे लेकर यूनिवर्सिटी ने मंथन शुरू कर दिया है. यूनिवर्सिटी प्रशासन का विचार है कि लखनऊ में 23 फरवरी को मतदान खत्म होने के बाद किसी भी दिन एग्जाम शुरू करा दिए जाएंगे. हालांकि इससे पूर्व कोरेना संक्रमण की स्थिति का आंकलन किया जाएगा.

17 जनवरी से होने थे यूजी के सेमेस्टर एग्जाम

यूजी थर्ड व फिफ्थ सेमेस्टर के एग्जाम 17 जनवरी से प्रस्तावित थे.

5 मार्च तक एग्जाम

पीजी ऑड सेमेस्टर के कुछ सब्जेक्ट के एग्जाम इसी माह 17 फरवरी से शुरू होकर 5 मार्च तक होंगे. लखनऊ यूनिवर्सिटी में संक्रमण बढ़ने और स्टूडेंट्स के पॉजिटिव होने की वजह से एग्जाम स्थगित कर दिए थे. हास्टल के स्टूडेंट्स को घर भेजकर ऑनलाइन क्लास शुरू कर दी गई थीं. अब उच्च शिक्षा विभाग की ओर से एग्जाम शुरू करने के निर्देश आ चुके हैं. ऐसे में यूनिवर्सिटी प्रशासन ने एग्जाम कराने की तैयारी शुरू कर दी है.

यूजी थर्ड व फिफ्थ सेमेस्टर के एग्जाम 17 जनवरी से प्रस्तावित थे. यूनिवर्सिटी में संक्रमण बढ़ने और स्टूडेंट्स के पॉजिटिव होने की वजह से एग्जाम स्थगित कर दिए थे.

नौ से एमकॉम मिड सेमेस्टर के एग्जाम

लखनऊ यूनिवर्सिटी के कॉमर्स विभाग के बाद अब एप्लाइड इकोनामिक्स विभाग एमकाम फर्स्ट सेमेस्टर-2021-22 के मिड सेमेस्टर एग्जाम ऑनलाइन होंगे. यह एग्जाम 9 फरवरी से होंगे. एग्जाम का समय सुबह 11 से 12 और दोपहर 1 से 2 बजे तक रहेगा. 9 फरवरी को एकाउंटिंग फॉर फाइनेंशियल डिसीजन- फर्स्ट, इंडस्ट्रियल इकोनामिक्स, 10 फरवरी को इंटरनेशनल ट्रेड, स्टैटिस्टिकल एनालिसिस, 11 फरवरी को एडवांस इकोनामिक्स एनालिसिस-1, ला एंड प्रैक्टिस ऑफ बैंकिंग का एग्जाम होगा.

यूनिवर्सिटी के परीक्षा विभाग का कहना है कि अभी यूनिवर्सिटी और कॉलेज 6 फरवरी तक बंद हैं. जल्द ही शासन इन्हें खोलने पर निर्णय लेगा. इसके बाद यूजी के थर्ड व फिफ्थ सेमेस्टर के एग्जाम का शेड्यूल तय किया जाएगा.

इंजीनियरिंग के सात छात्रों का हुआ प्लेसमेंट

लखनऊ। एलयू के इंजीनियरिंग संकाय के सात छात्रों का प्लेसमेंट आईटी कम्पनी परसिस्टेंट सिस्टम्स और पीसीएस मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड में हुआ है। जिसमें परसिस्टेंट सिस्टम्स में चार छात्रों सत्यम सिंह, सुजाता यादव, कृष्ण चंद्र वर्मा और मोहम्मद आतिफ नईम का चयन सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर 4.71 से 09 लाख रुपए प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है। वहीं पीसीएस मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड में तीन छात्रों का चयन हुआ।

THE PIONEER PAGE 3

Students' tryst with Chauri-Chaura facts

PNS ■ LUCKNOW

The department of Medieval and Modern History, Lucknow University, under the series of 'Special Lectures', organised an online talk on the Chauri-Chauri incident to mark its centenary on Friday.

The objective of the talk was to apprise students of the facts related to the incident. Ranjana Mishra, former head of a college affiliated to SNDT Women's University, delivered a lecture entitled 'Chauri-Chaura: A Decisive Moment in the History of the Indian Freedom Struggle'.

She explained the historical background of the incident while highlighting details. She delved upon the repressive policies adopted by the Britishers and emphasised on the reaction of Mahatma Gandhi and response of various other national leaders who opposed the suspension of Non- Cooperation Movement in great imperativeness.

She encompassed the justification of the suspension of the movement along with immediate results with various historians' perspectives. She underscored the obscurity of the incident in the annals and how the martyrs were not acknowledged till 1973 when for the first time, the stone of Shaheed Smarak was laid. The talk also included how the present prime minister has initiated a series of events such as stamp issue, beautification of memorials etc, and that the Uttar Pradesh government under the aegis of Adityanath Yogi has planned throughout the year to mark its centenary.

"People at large now realise that it was not a small event but the one which changed the course of the national movement as it was not a thing imposed from above but large resentment of masses which led to this fire aimed at the British imperialism," she added.

AMRIT VICHAR PAGE 5

10 मार्च के बाद होंगी स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं

लखनऊ विश्वविद्यालय और इससे सम्बद्ध कॉलेजों में स्नातक व परास्नातक की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 10 मार्च को मतगणना हो जाने के बाद ही शुरू होंगी। स्नातक व परास्नातक के प्रथम सेमेस्टर में इस बार केवल लखनऊ ही नहीं, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई और लखीमपुर के छात्र भी शामिल होंगे। 550 से ज्यादा इन कॉलेजों में प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं की संख्या एक लाख से भी ज्यादा है। इसलिए चुनावों से पहले इनकी परीक्षाएं कराना लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए संभव नहीं हो पा रहा है। उम्मीद है कि फरवरी के अंत तक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी हो जाएगा और परीक्षाएं 10 मार्च के बाद ही शुरू होंगी। वहीं स्नातक के तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की जो परीक्षाएं कोविड के चलते स्थगित हुई थीं, वे 23 फरवरी को लखनऊ में मतदान हो जाने के बाद कराई जाएंगी।

इंजीनियरिंग संकाय के 7 छात्रों का चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के सात छात्रों का चयन आईटी कंपनी परसिस्टेंट सिस्टम्स और पीसीएस मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड में हुआ हैं। विवि के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परसिस्टेंट सिस्टम्स में चार छात्रों सत्यम सिंह, सुजाता यादव, कृष्ण चंद्र वर्मा और मोहम्मद आतिफ नईम का चयन सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर 4.71 से 09 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ। साथ ही पीसीएस मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड में तीन छात्रों शनि गुप्ता, खुशनुमा सिद्दीकी और अनामिका चतुर्वेदी का चयन सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर 3.6 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है।

AMRIT VICHAR PAGE 5

9 फरवरी से होंगी एमकॉम मिड सेमस्टर की परीक्षाएं

एप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग एमकॉम प्रथम सेमेस्टर-2021-22 की मिड सेमेस्टर परीक्षाएं ऑनलाइन कराएगा। ये परीक्षाएं नौ फरवरी से होंगी। परीक्षा का समय सुबह 11 से 12 और दोपहर एक से दो बजे तक रहेगा। नौ फरवरी को एकाउंटिंग फॉर फाइनेंशियल डिसिजन-प्रथम, इंडस्ट्रियल इकोनामिक्स, 10 फरवरी को इंटरनेशनल ट्रेड, स्टैटिस्टिकल एनालिसिस, 11 फरवरी को एडवांस इकोनामिक्स एनालिसिस-1, ला एंड प्रैक्टिस ऑफ बैंकिंग की परीक्षा होगी।

वेबिनार में चौरीचौरा कांड की हुई चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास विभाग ने 'विशेष व्याख्यान' की श्रृंखला के तहत चौरी-चौरा घटना की शताब्दी के अवसर आनलाइन चर्चा आयोजित की। इस वार्ता का उद्देश्य छात्रों को चौरी चौरा से संबंधित तथ्यों से अवगत कराना था। एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय से संबद्ध एसएमडीएसएमसी की पूर्व प्रमुख प्रो. रंजना मिश्रा ने "चौरी-चौरा : भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक निर्णायक क्षण" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

TOI PAGE 3

Prof: Chauri Chaura action was a decisive moment for India

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The department of medieval and modern history of Lucknow University organized an online talk on the Chauri Chaura incident to mark the end of its centenary year celebrations on Friday.

Prof Ranjana Mishra, former head of Mumbai-based Shri MD Shah Mahila College, affiliated to SNDT Women's University, delivered a lecture titled 'Chauri-Chaura: A Decisive Moment in the History of the Indian Freedom Struggle'.

The incident took place on February 4, 1922 at Chauri Chaura in Gorakhpur when a group of protesters participating in the non-cooperation movement turned violent after being fired upon by the police and set fire to a police station. The incident led to the death of three civilians and 22 policemen. Later, the British sentenced 19 demonstrators to death and awarded life imprisonment to 14.

100 YEARS OF INCIDENT

Prof Mishra explained the historical importance of the incident, repressive policies of British and how Mahatma Gandhi's decision to suspend the non-cooperation movement after the incident was opposed by other national leaders.

Prof Mishra also spoke on how the martyrs of the incident were not acknowledged till 1973 when for the first time, the stone of Shaheed Smarak was laid by then Prime Minister Indira Gandhi. The talk also included how Prime Minister Narendra Modi initiated a series of events to acknowledge Chauri Chaura martyrs and the UP government organised year-long centenary celebrations.

The closing ceremony was also organised at Karamat Husain Muslim Girls' PG College under the supervision of its manager Syed Naved Ahmad and principal Saher Hussain.

PIONEER PAGE 3

चौरी-चौरा घटना पर आनलाइन परिचर्चा का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लविवि के मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास विभाग ने विशेष व्याख्यान की श्रृंखला के तहत शुक्रवार को अपनी शताब्दी के अवसर पर चौरी-चौरी घटना पर एक ऑनलाइन वार्ता का आयोजन किया। इस वार्ता का उद्देश्य छात्रों को संबंधित तथ्यों से अवगत कराना था। एसएनडीटी महिला विवि से संबद्ध एसएमडीएसएमसी की पूर्व प्रमुख प्रोफेसर रंजना मिश्रा ने चौरी-चौरा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक निर्णायक क्षण शीर्षक से एक व्या यान दिया। उन्होंने घटना के विवरण पर प्रकाश डालते हुए घटना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की व्या या की। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा अपनाई गई दमनकारी नीतियों पर ध्यान दिया और महात्मा गांधी की प्रतिक्रिया और विभिन्न अन्य राष्ट्रीय नेताओं की प्रतिक्रिया पर जोर दियाए जिन्होंने असहयोग आंदोलन को बड़ी अनिवार्यता में स्थगित करने का विरोध किया था। उन्होंने विभिन्न इतिहासकारों के दृष्टिकोण के साथ तत्काल परिणामों के साथ-साथ आंदोलन के निलंबन के औचित्य को शामिल किया। उन्होंने इतिहास में घटना की अस्पष्टता को रेखांकित किया और बताया कि कैसे शहीदों को 1973 तक स्वीकार नहीं किया गया था जब पहली बार शहीद स्मारक का पत्थर स्वर्गीय श्रीमती गांधी द्वारा रखा गया था। चर्चा में यह भी शामिल था कि कैसे वर्तमान प्रधान मंत्री ने स्टा प जारी करने, स्मारकों के सौंदर्यीकरण आदि जैसे कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू की है और आदित्यनाथ योगी के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश सरकार ने अपनी शताब्दी को चिह्नित करने के लिए पूरे वर्ष की योजना बनाई है। बड़े पैमाने पर लोगों ने अब महसूस किया कि यह एक छोटी घटना नहीं थी बल्कि एक थी जिसने राष्ट्रीय आंदोलन के पाठ्यक्रम को बदल दिया क्योंकि यह ऊपर से थोपी गई बात नहीं थी, बल्कि जनता की बड़ी नाराजगी थी जिसके कारण यह आग ब्रिटिश साम्राज्यवाद के उद्देश्य से लगी थी। इस कार्यक्रम में मुंबई विवि के साथ-साथ लखनऊ विवि के छात्रों और शिक्षकों ने बड़ी सं या में भाग लिया था।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि में अब स्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारी

जासं, लखनऊ : कोविड संक्रमण के केस कम होते ही लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक विषम सेमेस्टर दिसंबर-2021 की परीक्षाओं की तिथियां तय कर दीं। अब स्नातक तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाओं की तिथियां तय करने पर मंथन शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का विचार है कि लखनऊ में 23 फरवरी को मतदान खत्म होने के बाद किसी भी दिन परीक्षाएं शुरू करा दी जाएं। इसको लेकर जल्द ही निर्णय लेने की बात कही गई है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 जनवरी से प्रस्तावित की थीं, लेकिन विश्वविद्यालय में कोविड संक्रमण बढ़ने और विद्यार्थियों के कोविड पाजिटिव होने की वजह से परीक्षाएं स्थगित कर दी गई थीं। साथ ही, हास्टल के विद्यार्थियों को भी घर भेजकर कक्षाओं का आनलाइन संचालन शुरू करा दिया गया था। अब उच्च शिक्षा विभाग की ओर से परीक्षाएं फिर शुरू कराने के निर्देश आ चुके हैं। परीक्षा विभाग का कहना है कि अभी विश्वविद्यालय और कालेज भौतिक रूप से छह फरवरी तक बंद हैं। जल्द ही शासन इन्हें खोलने पर निर्णय लेगा। इसके बाद स्नातक तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाओं का शेड्यूल तय किया जाएगा।

अभी परास्नातक की विषम सेमेस्टर परीक्षाएं 17 फरवरी से तय की गई हैं। स्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाएं भी होनी हैं। फरवरी में इनका शेड्यूल तय करने पर मंथन चल रहा है। जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

विद्यानंद त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक, लवि

छात्रवृत्ति के डाटा को अग्रसारित करने का मौका

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2021-22 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत पहले, दूसरे व तीसरे चरण में आवेदन पत्रों के डाटा अग्रसारित करने के लिए कालेजों को आठ फरवरी तक मौका दिया है। जिन महाविद्यालयों ने शुल्क प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थियों के डाटा को विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेंसी से अग्रसारित नहीं कराया है, वे आठ फरवरी तक वर्गवार विवरण सभी संलग्नकों के साथ विश्वविद्यालय से अग्रसारित करा लें। साथ ही, 10 फरवरी तक समाज कल्याण विभाग में उपलब्ध भी करा दें। अन्यथा सब उत्तरदायित्व महाविद्यालय का होगा। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने पत्र जारी कर दिया है। लखनऊ

विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के सात और विद्यार्थियों का प्लेसमेंट प्रतिष्ठित आइटी कंपनी में हुआ है। इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट इंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि सत्यम सिंह, सुजाता यादव, कृष्ण चंद्र वर्मा और मोहम्मद आतिफ नईम का चयन साफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर 4.71 से 09 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ। वहीं शनि गुप्ता, खुशनुमा सिद्दीकी और अनामिका चतुर्वेदी का चयन साफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर 3.6 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है।